श्री योगेन्द्र झा : संयुक्त राष्ट्र संघ में काश्मीर के मुताल्लिक हम ने दुनिया के सामने कई वादे किये हैं। क्या संविधान की इन धाराओं को काश्मीर में लागू करने से हमारे उन वादों पर कोई प्रभाव पड़ेगा और क्या दुनिया में हमारे प्रति कोई मुख्तलिफ धारणा पैदा होगी?

श्री नन्दा: मैं नहीं समझता हूं कि किसी किस्म की मुश्किल हमारे लिए पैदा होगी।

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : समाचारपत्रों में इस आशय के समाचार प्रकाशित हुए हैं कि जम्मू-काश्मीर के प्रधान मंत्री ने माननीय गृह मंत्री से भेंट की और काश्मीर के सम्बन्ध में कुछ आगे बातचीत की। मैं यह जानना चाहता हूं कि वह बातचीत कहां तक आगे बढ़ी है।

श्री नन्दा : सब बातों के बारे में तो मैं क्या कह सकता हूं, लेकिन पहले यह बता दिया गया है कि इस चीज को आगे बढ़ाया जायेगा।

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं यह जानना चाहता हूं कि काश्मीर को हिन्दुस्तान में विलय करने के बारेमें कोई विदेशी दबाव तो नहीं डाला जा रहा है, जिस के कारण विलय नहीं किया जा रहा है।

श्री नन्दा : कोई सवाल ही नहीं है।

श्री भागवत झा आजाद : काश्मीर के प्रधान मंत्री ने कल संसद्-सदस्यों के सामने कहा कि वह चाहते हैं कि संविधान की अन्य धाराओं को भी जल्द से जल्द काश्मीर पर लागू किया जाये। स्वयं गृह मंत्री ने कहा है कि आर्टिकल 370 सिर्फ़ एक जरिया है, जिससे हम और धाराओं को काश्मीर पर लागू करेंगे। जब सब हमारे पक्ष में हैं, तो सरकार की "ग्रैडुअली" वाली नीति के अनुसार अन्य धाराओं को कब से कब तक काश्मीर पर लागू किया जा सकता है ?

1986 (Ai) LSD—2.

श्री नन्दा : मैं पहले ही कह चुका हूं कि यह किया जा रहा है—और भी ज्यादा किया जायेगा।

श्री भागवत झा आजाद: बहुत आहिस्ता-आहिस्ता किया जा रहा है। ज़रा दौड़िए—आहिस्ता-आहिस्ता न कीजिए।

Shri D. C. Sharma: Is it not a fact that Pakistan has taken exception to the application of articles 356 and 357 to the State of Jammu and Kashmir and has threatened to take this issue to the United Nations? If so, may I know whether the Government will take up with the United Nations the issue of Azad Kashmir and the negation of democratic liberties in that area as a counter-measure to this?

Shri Nanda: I do not recognise the right of Pakistan to question the action that we have taken.

Shri Kapur Singh: I want to ask in a specific form a question already asked. Have the Government properly studied the likely repercussions of our action in the Council of the United Nations Organisation and on our neighbour Pakistan?

Shri Nanda: Yes, Sir.

Coal Briquettes

*641. **Shri Surendra Pal Singh:** Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Fuel Research Institute at Jealgora, near Dhanbad, has evolved a successful method of producing coal briquettes for metallurgical use from non-coking coal;

(b) whether these coal briquettes have been put through blast furnace trials to ascertain their efficacy; and

(c) if so, the result thereof?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) Yes, Sir, the Institute has carried out laboratory-scale experiments on utilisation of non-coking coal for metallurgical purposes,

which have yielded encouraging results.

(b) Not yet, Sir.

(c) Does not arise.

Shrimati Lakshmikanthamma: In view of the acute shortage of metallurgical coal, will this process be speeded up so that we will get results very soon?

Shri M. C. Chagla: We are trying to speed up the process but it will take some time.

बौद्ध सम्मेलन

+

*643. { **श्री विश्वनाथ पांडेय:**
श्री हेम बरुआ: }

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नवम्बर 1964 में सारनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश) में विश्व बौद्ध सम्मेलन हुआ था;

(ख) यदि हां, तो इस में कितने देशों ने भाग लिया था; और

(ग) उस सम्मेलन के लिये सरकार ने किस प्रकार की सहायता दी थी ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) जी, हां 29 नवम्बर से 4 दिसम्बर 1964 तक।

(ख). 25.

(ग) सरकार ने सम्मेलन के आयोजकों को रेल-रियायत, सम्मेलन के लिए स्थान, सीमा शुल्क व वीसा-सुविधाएं प्राप्त करने में और सम्मेलन के लिए सामान्य प्रबन्ध करने मे सहायता दी थी ।

श्री रामसेवक यादव अध्यक्ष महोदय, प्रश्न संख्या 642 रह गया है ।

अध्यक्ष महोदय : अभी मैं देखता हूं । अगर हो सका, तो बाकी वक्त में उसे ले लिया जायेगा ।

श्री विश्वनाथ पांडेय : मैं यह जानना चाहता हूं कि जो ईसाई सम्मेलन बम्बई में हुआ था, सरकार ने उस को जो सहायता प्रदान की थी, क्या वह सहायता बुद्धिस्ट सम्मेलन को भी दी गई थी ।

Shri M. C. Chagla: As a matter of fact, we gave much more assistance to the Buddhist Conference than we gave to the Eucharistic Congress. Initially the idea was that it would be managed by the Buddhist Society in India; but when we felt that the arrangements were not proper, we came to the rescue of the Conference and sanctioned a sum of Rs. 50,000.

Mr. Speaker: Shri Rameshwar Tantia.

Shri Rameshwar Tantia: Question No. 642.

Mr. Speaker: I rather thought that he was going to ask a supplementary question. Then, next question. Shri Dwivedy.

Shri Surendranath Dwivedy: Question No. 644.

Shri Harish Chandra Mathur: What about Question No. 642?

Shri Hari Vishnu Kamath: Passed over.

Enquiry into allegations against Orissa Chief Minister

+

*644. { **Shri Surendranath Dwivedy:**
Shri Jashvant Mehta:
Shri D. C. Sharma:
Shri S. M. Banerjee: }

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to refer to his statement in the House on the 18th November, 1964 to the effect that further action on